



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-07-2025

खेरी(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-07-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-07-19	2025-07-20	2025-07-21	2025-07-22	2025-07-23
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	18.0	18.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	36.0	34.0	32.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	28.0	27.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	88	86	98	95	93
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	54	69	74	69
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	2	2	4	8
पवन दिशा (डिग्री)	100	219	101	80	304
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	5	8	8	7
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफान आदि	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पाँच दिनों में मध्यम से घने बादल छाए रहने के कारण दिनांक 21 से 22 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32.0-36.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 26.0-28.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 86-95% तथा 54-74% के मध्य रहेगी। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम रहेगी तथा हवा की गति 2.0-9.0 किमी प्रति घंटा रहेगी, तथा सामान्य से 5-6 किमी प्रति घंटा अधिक गति से झोंके आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 21-22 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। धान की फसल को छोड़कर शेष फसलों में सिचाई का कार्य न करें। खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य वर्षा न होने की दशा में करें। वर्षा ऋतु में पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें।

सामान्य सलाहकार:

धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करें तथा वर्षा न होने की दशा में मूँगफली, ज्वार, तिल एवं अरहर आदि की बुवाई का कार्य करें। धान के खेतों की मेड़ों को मजबूत बनायें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। पशुओं को बरसात के रुके हुए पानी को न पीने दें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करें तथा वर्षा न होने की दशा में मूँगफली, ज्वार, तिल, उर्द एवं अरहर आदि की बुवाई उचित नमी पर ही करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करें धान के पौध की रोपाईं के लिए खेतों के मेड़ों को मजबूत करें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। धान की फसल में चौड़ी एवं संकरी पत्ती के खरपतवार के नियंत्रण के लिए रोपाईं के २-३ दिन के अन्दर अनिलोफॉस ३० % ई.सी. या प्रिटलाक्लोर १.२५ लीटर/हे० की दर से ५०० -६०० लीटर पानी में घोल बनाकर २-३ इंच पानी छिड़काव करें। धान की रोपाईं के १५ - २० दिन बाद बिसपायरीबैक सोडियम १० एस०सी० ०.२० लीटर/हे० की दर से ५०० -६०० लीटर पानी में घोल बनाकर उचित नमी की स्थिति में करें। धान में खैरा रोग दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु २०-२५ किलोग्राम जिंक सल्फेट व २.५ किलोग्राम चूना ८०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	वर्षा न होने की दशा में निराई-गुड़ाई कार्य करें तथा अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्के की फसल में निराई-गुड़ाई करने के पश्चात यूरिया की टॉप ड्रेसिंग आसमान साफ होने पर करें। मक्के की फसल में तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट ५ % एस जी २०० ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट ३०% ईसी १.० लीटर/ हेक्टेयर की दर से ६००-७०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम पर करें।
तिल	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई का कार्य स्थगित रखें। तिल के फसल की संस्तुति किस्मों- टाइप-४, १२, १३, टाइप -७८, शेखर, प्रगति, तरुण, आर टी -३५१ और आर टी -३४६ आदि में से किसी एक किस्म की बुवाई का कार्य आसमान साफ होने पर करें।
मूँगफली	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई का कार्य स्थगित रखें। खरीफ मूँगफली की संस्तुति संकर किस्म- चित्रा, कौशल, प्रकाश, अम्बर, उत्तकर्ष, दिव्या, कौशल-गुच्छेदार किस्म- चंद्रा, टा -२८, ६४ एम -१३ आदि की बुवाई करें और मूँगफली की बुवाई के लिए ७०-८० किग्रा / हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य आसमान साफ होने पर करें।
काला चना	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई का कार्य स्थगित रखें। खरीफ में बोई जाने वाली उर्द की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र उर्द-१, आजाद उर्द-२, आजाद उर्द-३, शेखर-१, शेखर-२, शेखर-३, पन्त यू-३० आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए १२ -१५ किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य वर्षा न होने की दशा में करें।
गन्ना	खेत से अधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबंधन करें। गन्ने के जिन खेतों में पौधे निकल आए हों उनमें मिट्टी चढ़ा दें। सफेद लट के नियंत्रण के लिए लाइट ट्रैप या पौधों पर कीटनाशी छिड़काव कर नियंत्रण करें। शरद कालीन गन्ने को गिरने से बचाने के लिए बंधाई अवश्य करें। खड़ी गन्ने की फसल में खरपतवार

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	नियंत्रण हेतु निराई-गुड़ाई का कार्य करें। चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु क्लोरेन्टोनीलीप्रोल 18.5 एस.सी. के 150-200 मि.ली. कीटनाशक दवा को 400 -500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई /सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। खरीफ में रोपी जाने वाली सब्जियों जैसे- बैंगन, मिर्च, टमाटर और अगेती फूलगोभी आदि फसलों की नर्सरी डाले, साथ ही बैंगन / मिर्च की तैयार पौध की रोपाई करें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो अगेती फूलगोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेड़ों पर करें।
आम	फलदार बागों की रोपाई हेतु मई माह में खोदे गये गड्ढों की भराई करने के लिए ऊपर की आधी मिट्टी में सड़ी हुई खाद की गोबर को मिलाकर जमीन की सतह से 15 से 20 सेन्टीमीटर ऊपर तक भराई कर लें। अमरूद फलों में फलमक्खी से बचाव हेतु मिथाइल यूजिनाल एवं क्यू ल्योर ट्रेप 8-10 ट्रेप प्रति हे० में 6 से 8 फिट की ऊंचाई पर टहनियों में बांध कर लटकाए तथा नीम एक्सट्रैक्ट 5 प्रतिशत प्रति लीटर पानी में घोलकर 10-15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें तथा 20-25 दिन के अन्तराल पर ल्योर को बदलते रहे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुबाड़े में बाह्य परजीवी की रोकथाम हेतु चूने का छिड़काव करें। पशुओं को वर्षा के दौरान खुले स्थान/पेड़ के नीचे न बांधें। पशुओं को रात के समय आसमान साफ होने पर ही खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3 -4 बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के बाड़े को साफ और सूखा रखें ताकि वे बीमारियों से बची रहें। मुर्गियों के स्वास्थ्य की नियमित रूप से जांच करें और बीमार मुर्गियों को झुंड से अलग करें। मुर्गियों को कीटों से बचाने के लिए, उनके बाड़े में कीटनाशक का उपयोग करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-23 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की तैयार पौध की रोपाई शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। धान की फसल को छोड़कर शेष फसलों में सिंचाई का कार्य

न करें। खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य वर्षा न होने की दशा में करें। वर्षा ऋतु में पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>